भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
राज्य सभा
लिखित प्रश्न संख्या: 3378
सोमवार, 23 मार्च, 2026 (2 चैत्र, 1948 (शक)) को दिया जाने वाला उत्तर

एएआई द्वारा संचालित विमानपत्तनों की वर्तमान स्थिति

3378. श्री नीरज डांगी:

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा संचालित विमानपत्तनों के आधुनिकीकरण की वर्तमान स्थि ति क्या है;

(ख) क्या सरकार ने वर्ष 2030 तक नए ग्रीनफील्ड विमानपत्तनों के निर्माण का कोई लक्ष्य निर्धारित किया है; और

(ग) यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए प्रमुख महानगरों के विमानपत्तनों पर भीड़ प्रबंधन हेतु क्या ठोस कदम उठाए गए है?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) : हवाईअड्डों का विस्तार और आधुनिकीकरण समय-समय पर भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) और अन्य हवाईअड्डा प्रचालकों द्वारा यात्री मांग, प्रचालन अपेक्षाओं और एयरलाइन की मांग के आधार पर किया जाता है। ऐसे विकास कार्य चेन्नई, जम्मू, उदयपुर, लेह, हुब्बल्ली, बेलगावी, आगरा, बागडोगरा, दरभंगा, वाराणसी, बिहटा और केशोद सहित हवाईअड्डों पर भूमि की उपलब्धता, वित्तीय व्यवहार्यता और प्रचालनात्मक सरोकारों के अध्यधीन चरणों में किए जाते हैं।

(ख) : भारत सरकार (जीओआई) ने देश में ग्रीनफील्ड हवाईअड्डों के विकास के लिए ग्रीनफील्ड हवाईअड्डा (जीएफए) नीति, 2008 तैयार की है। इस नीति के अनुसार, भारत सरकार ने देशभर में 25 ग्रीनफील्ड हवाईअड्डों की स्थापना के लिए "सैद्धांतिक" अनुमोदन प्रदान किया है। इनमें से 13 ग्रीनफील्ड हवाईअड्डे प्रचालनरत हो चुके हैं। जीएफए नीति के अनुसार, भूमि अधिग्रहण, आरएंडआर, वित्तपोषण, पर्यावरण मंजूरियां प्राप्त करने, आदि सहित ग्रीनफील्ड हवाईअड्डा परियोजना के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी संबंधित हवाईअड्डा विकासकर्ता या राज्य सरकार, जैसी भी स्थिति हो, की होती है। हवाईअड्डा परियोजनाओं को पूरा करने की समय-सीमा, भूमि अधिग्रहण, अनिवार्य मंजूरियों की उपलब्धता, वित्तीय समापन, आदि जैसे कई कारकों पर निर्भर करती है।

(ग) : प्रमुख महानगरीय हवाईअड्डों सहित उच्च यात्री यातायात वाले हवाईअड्डों पर, यात्री मांग और यातायात पैटर्न के अनुरूप प्रचालन और अवसंरचना संबंधी उपायों के संयोजन के माध्यम

से भीड़ प्रबंधन को व्यवस्थित किया जाता है। यात्रियों की आवाजाही को सुगम बनाने के लिए, आवश्यकतानुसार, अतिरिक्त एक्स-रे बैगेज निरीक्षण प्रणालियों (एक्स-बीआईएस) की तैनाती करने, स्विंग संचालन सहित टर्मिनल क्षेत्रों के लचीले उपयोग के माध्यम से यात्री प्रवाह को इष्टतम बनाने, और व्यस्ततम अवधि के दौरान उड़ान अनुसूचियों को युक्तिसंगत बनाने के लिए एयरलाइनों के साथ समन्वय जैसे उपायों को अपनाया जाता है।

******